

12. उल्लू बनाना (मुख बनाना) - साइबर ठग अपनी बातों में फँसाकर लोगों को **उल्लू बनाते** रहते हैं।
13. एड़ी चोटी का जोर लगाना (बहुत प्रयास करना) - किसी भी परीक्षा में सफलता पाने के लिए तो **एड़ी चोटी का जोर लगाना** पड़ता है।
14. ओखली में सिर देना (जानबूझकर मुसीबत मोल लेना) - उस दबंग के खिलाफ़ आवाज़ उठाना या गवाही देना **ओखली में सिर देने** के समान है।
15. कमर कस लेना (पूरी तरह तैयार हो जाना) - कुछ बच्चे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से **कमर कस लेते** हैं।
16. कान भरना (चुगली करना) - कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपने सहकर्मियों के खिलाफ़ अपने अधिकारियों के **कान भरने** में लगे रहते हैं।
17. कोल्हू का बैल होना (हर समय जी तोड़ मेहनत करने वाला) - अमन तो **कोल्हू का बैल है**, दिन-रात काम में ही लगा रहता है।
18. खून खौलना (बहुत क्रोध में भर जाना) - वे झूठ से नफ़रत करते हैं, इसलिए झूठ सुनकर उनका **खून खौलने** लगता है।
19. खून-पसीना एक करना (बहुत मेहनत करना) - वही बच्चे जीवन में सफलता का परचम लहलहाते हैं, जो जीवन में **खून-पसीना एक कर** देते हैं।
20. गागर में सागर भरना (संक्षिप्त रूप में ही बहुत कुछ कह देना) - वास्तव में, आठ पंक्तियों की आपकी यह कविता अपने आप में **गागर में सागर** है।
21. गिरगिट की तरह रंग बदलना (अवसरवादी होना) - वरुण **गिरगिट की तरह रंग बदलता** है, इसलिए उससे सभी मित्र किनारा करने लगे हैं।
22. घुटने टेक देना (हार स्वीकार कर लेना) - कैसी भी मुश्किलें आएँ, लेकिन हमें उनके आगे **घुटने नहीं टेकने** चाहिए।
23. घोड़े बेचकर सोना (बेफ़िक्र हो जाना) - परीक्षा के बाद अक्सर विद्यार्थी **घोड़े बेचकर सोते** हैं।
24. चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना (बहुत घबराहट हो जाना) - जब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया, तो उसके **चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने** लगीं।
25. चैन की बंसी बजाना (प्रसन्नतापूर्वक तनाव रहित जीवन बिताना) - नौकरी में आने के बाद अक्सर लोग **चैन की बंसी बजाते** हैं।

II Ind Term

क: छठी का दूध याद आना (बड़ी कठिनाई का अनुभव होना) - एक साथ पाँच सौ सीढ़ी चढ़ने की शर्त मत लगाओ, इसमें तुम्हें **छठी का दूध याद आ** जाएगा।



27. छाती पर साँप लोटना (ईर्ष्या करते हुए किसी से खूब कुढ़ना)– आज दूसरों को आगे बढ़ते देखकर लोगों की **छाती पर साँप लोटने** लगता है।
- ✓ 28. जान हथेली पर रखना (प्राणों की परवाह न करना)– भारतीय सैनिक **जान हथेली पर रखकर** अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हैं।
29. जूतियाँ चटकाना (व्यर्थ में इधर-उधर घूमना)– आजकल **जूतियाँ चटकाने** वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया हुआ है।
- ✓ 30. झख मारना (व्यर्थ की बातचीत में समय नष्ट करना)– “तुम हर समय अपने दोस्तों के साथ **झख मारते** रहते हो, कभी समय का सदुपयोग भी कर लिया करो।” बड़े भाई ने कहा।
31. झेंप जाना (शरमा जाना)– पिता जी ने नव्या के विवाह की बात शुरू की, तो वह **झेंप गई**।
32. टोपी उछालना (अपमानित करना)– आजकल टीवी चैनलों पर पार्टी वक्ता एक-दूसरे की **टोपी उछालने** में लगे रहते हैं।
- ✓ 33. ठगा-सा रह जाना (हैरान रह जाना)– सहगल अंकल के बेटे ने जब उनसे वृद्धाश्रम छोड़कर आने की बात कही, तो वे **ठगा-सा रह गए**।
34. डंका बजना (खूब नाम कमाना प्रसिद्धि प्राप्त होना)– आज भी विश्व में सचिन की बल्लेबाजी व उनकी खेल सद्भावना का **डंका बजता** है।
- ✓ 35. तिल का ताड़ बनाना (छोटी-सी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना)– उन्होंने तुम्हें कुछ भी नहीं कहा था, तुमने बेवजह **तिल का ताड़ बना** दिया।
36. थू-थू होना (निंदा होना)– गलत काम करने वालों की सारी दुनिया में **थू-थू होती** है।
37. दाँत खट्टे करना (प्रतिद्वंद्वी को हरा देना)– हमारे खिलाड़ियों ने न जाने कितनी बात अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के **दाँत खट्टे किए** हैं।
- ✓ 38. धूप में बाल सफ़ेद न करना (अनुभवी होना)– तुम मुझे चिकनी-चुपड़ी बातों में उलझाना चाह रहे हो, लेकिन मैंने भी **धूप में बाल सफ़ेद नहीं किए** हैं।
39. नाक नीची होना (बहुत बदनामी होना)– यदि कोई बुरे काम करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके साथ-साथ उसके परिवार की भी **नाक नीची हो** जाती है।
- ✓ 40. निन्यानवे के फेर में पड़ना (धन की अंधी दौड़ में दौड़ना)– आज मनुष्य के दुखों का मूल कारण **निन्यानवे के फेर में पड़ना** है।
- ✓ 41. पत्थर की लकीर होना (एकदम अटल इरादे होना)– अब मैं सप्ताह में एक दिन डिजिटल उपवास रखूँगा, मेरा यह कथन **पत्थर की लकीर है** और मैं इससे ज़रा-सा भी नहीं डिगूँगा।
42. पानी फिर जाना (जो किया, वह बेकार हो जाना)– ज़रा-सी चूक से सारे **अरमानों पर पानी फिर** जाता है।
43. फूला न समाना (बहुत खुश होना)– प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर रजत **फूला न समाया**।
- ✓ 44. बगलें झाँकना (कुछ जवाब न सूझना)– आसान प्रश्न पूछने पर भी तुम **बगलें झाँकने** लगते हो।
- ✓ 45. बाएँ हाथ का खेल होना (बहुत सरल कार्य होना)– किसी भी विषय पर कविता लिखना उसके लिए **बाएँ हाथ का खेल है**।

46. भीगी बिल्ली बनना (डर-सहमकर बैठे रहना) - बेवजह डाँट पर **भीगी बिल्ली मत बना** करो, यह तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी है।
47. भंडा फोड़ना (भेद खोल देना) - कई बड़े स्टिंग ऑपरेशनों ने काफ़ी बड़े-बड़े रहस्यों का **भंडा फोड़** किया है।
48. मुँह में पानी आना (कुछ खाने के लिए जी ललचाना) - स्वादिष्ट पकवान देखकर जिसके **मुँह में पानी न आए**, ऐसा कौन होगा?
49. रंग जमाना (प्रभाव जमा देना) - तुमने ऐसा काव्य-पाठ किया कि सब पर **रंग जमा** दिया।
50. हवा से बातें करना (बहुत तेज़ गति से चलना) - आजकल की कई कारें और बाइकें तो **पलक झपकते ही हवा से बातें करने** लगती हैं।

कुछ अन्य मुहावरे तथा उनके अर्थ -

मुहावरा

अर्थ

- | | |
|--------------------------------|---|
| 1. अंधे के हाथ बटेर लगना | बिना किसी प्रयास के संयोग से कोई मनचाही चीज़ मिल जाना |
| 2. अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना | अपनी प्रशंसा स्वयं करना |
| 3. आपे से बाहर होना | बहुत गुस्से में होना |
| 4. उँगली पर नचाना | पूरी तरह अपने काबू में कर लेना |
| 5. एक आँख से देखना | सबको समान समझना |
| 6. कंधे से कंधा मिलाना | सहयोग देना |
| 7. गड़े मुर्दे उखाड़ना | बीती बातों की चर्चा करके समय व्यर्थ करना |
| 8. घड़ों पानी पड़ना | बहुत लज्जित होना |
| 9. चूना लगाना | छल-कपट से किसी को नुकसान पहुँचाना |
| 10. छूमंतर होना | गायब अथवा समाप्त हो जाना |
| 11. ज़मीन पर पैर न पड़ना | बहुत घमंडी हो जाना |
| 12. टका-सा जवाब देना | प्रत्युत्तर में बेझिझक कठोरता से जवाब देना |
| 13. डींगें हाँकना | खुद के बारे में खूब बढ़ा-चढ़ाकर बातें बताना |
| 14. तू-तू, मैं-मैं होना | तकरार या नोक-झोंक होना |
| 15. धज्जियाँ उड़ाना | तहस-नहस कर देना |
| 16. पौ बारह होना | लाभ ही लाभ होना |
| 17. बाल की खाल निकालना | बेवजह खोज-खोजकर कमियाँ निकालना |
| 18. मज़ा किरकिरा होना | आनंद में बाधा पड़ना |
| 19. लेने के देने पड़ना | लाभ की जगह हानि हो जाना |
| 20. हाथ पर हाथ रखकर बैठना | बिना प्रयास के खाली बैठे रहना |

विशेष - मौखिक रूप में मुहावरों के आगे लिखे अर्थ के अनुसार अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए तथा अपनी पाठ्यपुस्तक के पाठों में आए मुहावरों का भी अभ्यास कीजिए।